Η απεγνωσμένη διά τόν βίον

6. hlas / 2. plag. echos

Ruténske irmologiony // Ruthenian irmologia

a)
Η απεγνωσμένη διά τόν βίον
Ѿчѧ́ѧннаѧ житїѧ̀ ра́ди

J002 234r, J005 434v, J480 44r, J289 7r, J673 63r, J833 96r, J672, I80 33v, I229 271, L1709 165r

b)
Τίς σου τόν χιτώνα Σώτερ διείλεν
Кто̀ твоѝ сп҇се ри́зꙋ раздра̀;

J002 230r, J480 45r, J289 6v, J429 43r, J673 63v, I80 33r, I229 270, J046 266r,
L1700 317r, L1709 165r

© 2015-18 irmologion.nfo.sk

TEXT

Η απεγνωσμένη διά τόν βίον.
καί επεγνωσμένη διά τόν τρόπον.
τό μύρον βαστάζουσα, προσῆλθέ σοι βοῶσα.
Μή με τήν πόρνην απορρίψης, ο τεχθείς εκ Παρθένου.
μή μου τά δάκρυα παρίδης, η χαρά τών Αγγέλων.
αλλά δέξαι με μετανοουσαν,
ήν ουκ απώσω αμαρτάνουσαν Κύριε,
διά τό μέγα σου έλεος.

Ѿча́ѧннаѧ житїѧ̀ ра́ди,
и҆ ᲂу҆вѣ́домаѧ нра́ва ра́ди,
мѵ́ра нося́щаѧ присту́пи̇̀ тебѣ̀ вопїю́щи:
да не ѿве́ржеши менѐ блꙋ́днꙋю, роди́выйсѧ ѿ дв҃ы:
да не пре́зриши моѧ̑ сле́зы ра́досте а҆́гг҃лѡвъ.
но прїими́ мѧ ка́ющꙋюсѧ,
ю҆́же не ѿри́нꙋлъ є҆сѝ согрѣша́ющꙋю г҃ди,
вели́кїѧ ра́ди твоеѧ̀ мл҃ти.

Τίς σου τόν χιτώνα Σώτερ διείλεν,
Άρειος, σύ έφης, ο τής Τριάδος,
τεμών τήν ομότιμον αρχήν εις διαιρέσεις,
ούτος ηθέτησέ σε είναι, τόν ένα τής Τριάδος,
ούτος Νεστόριον διδάσκει, Θεοτόκον μή λέγειν,
αλλ' η Σύνοδος η εν Νικαία,
Υιόν Θεού σε ανεκήρυξε, Κύριε,
Πατρί καί Πνεύματι σύνθρονον.

Кто̀ твою̀ сп҃се ри́зꙋ раздра̀;
а҆рїи́, ты̀ ре́клъ є҆сѝ, и҆́же тр҃цы
пресѣчѐ є҆диноче́стное нача́ло въ раздѣле́нїѧ:
се́й ѿве́рже тѧ̀ бы́ти є҆ди́наго ѡ҆ тр҃цы,
се́й и҆ несто́рїа ᲂу҆чи́тъ бцⷣꙋ не глаго́лати.
но собо́ръ, и҆́же въ нїке́и,
сн҃а бж҃їѧ тѧ̀ проповѣ́да г҃ди,
ѻ҆ц҃ꙋ и҆ дх҃ꙋ сопресто́льна.

Prepis // Transcription

.

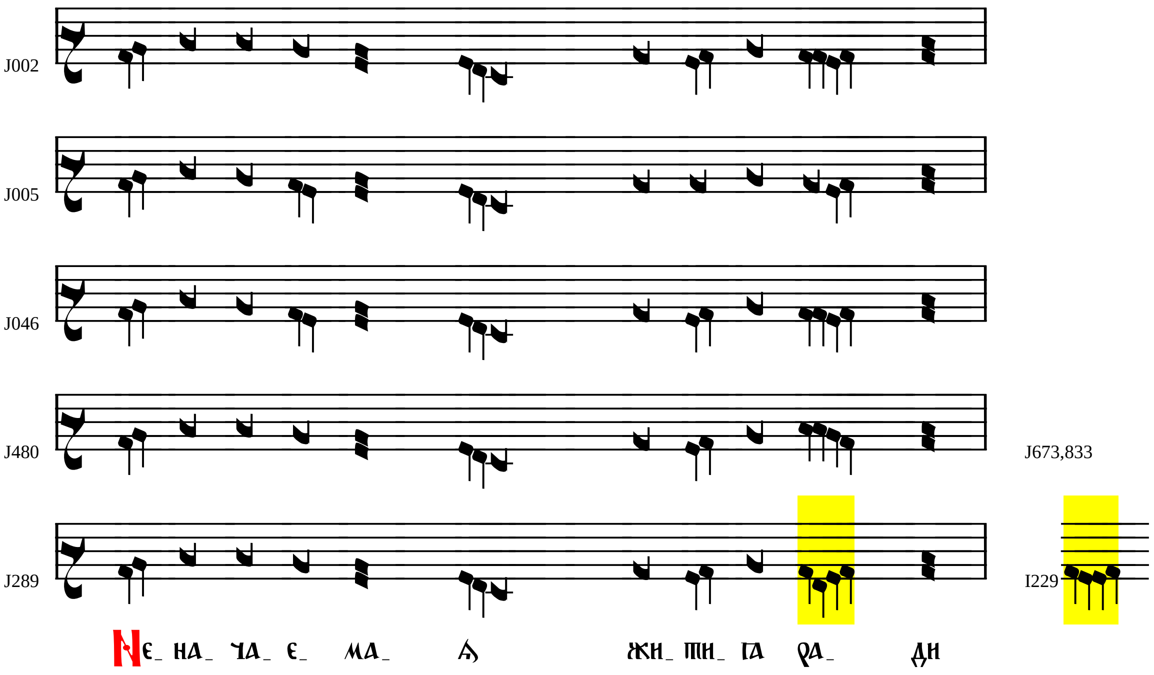

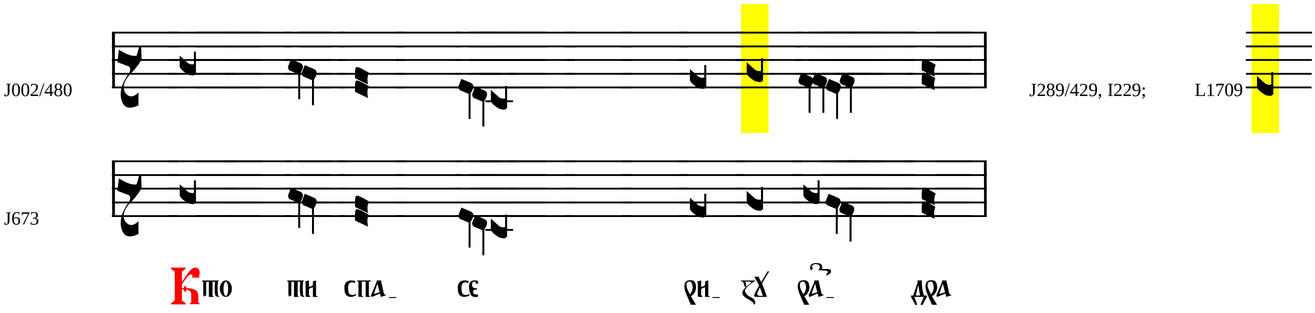

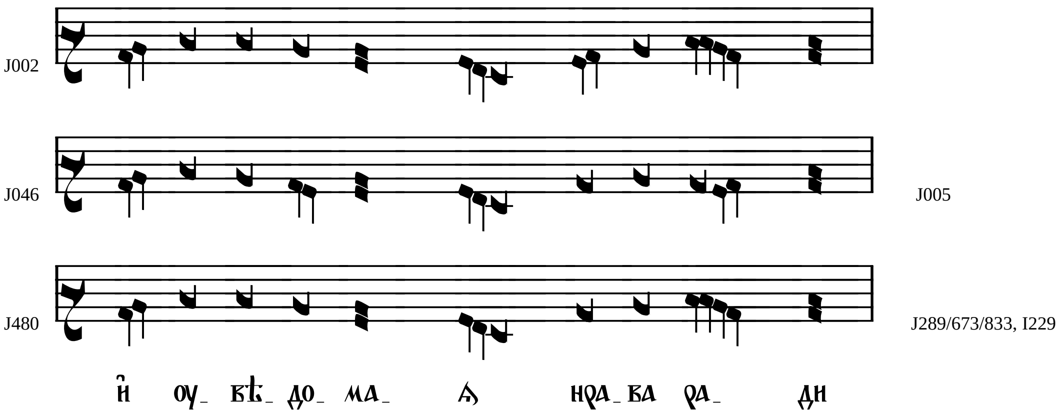
J002
J046
J005
J480
J289/673/833, I229
и҆ оу_ вѣ_ до_ ма_ ѧ҆ нра_ ва ра_ ди

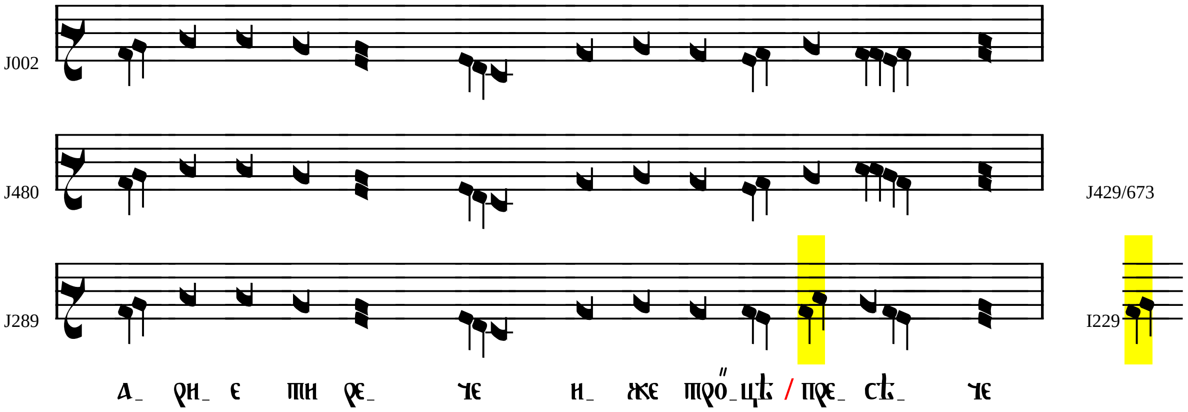
J002
J480
J429/673
J289
I229
а_ ри_ е ти ре_ че и_ же про́_цѣ / пре_ сѣ_ че

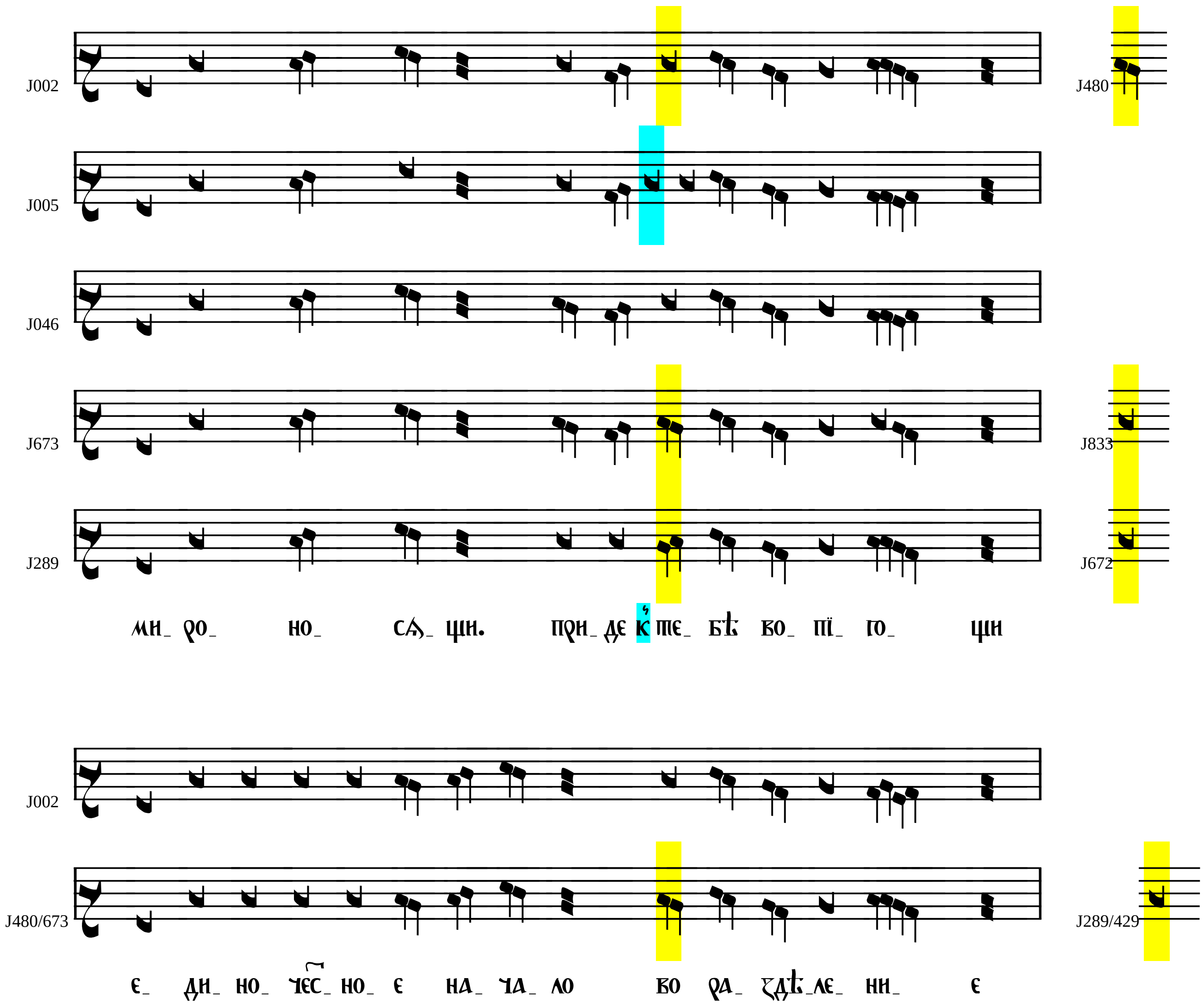
J002
J480
J005
J046
J673
J833
J289
J672
ми- ро- но- сѧ- щи. при- де к те- бѣ бо- пі- го- щи
J002
J480/673
J289/429
е- ди- но- чес- но- е на- ча- ло во ра- здѣ- ле- ни- е

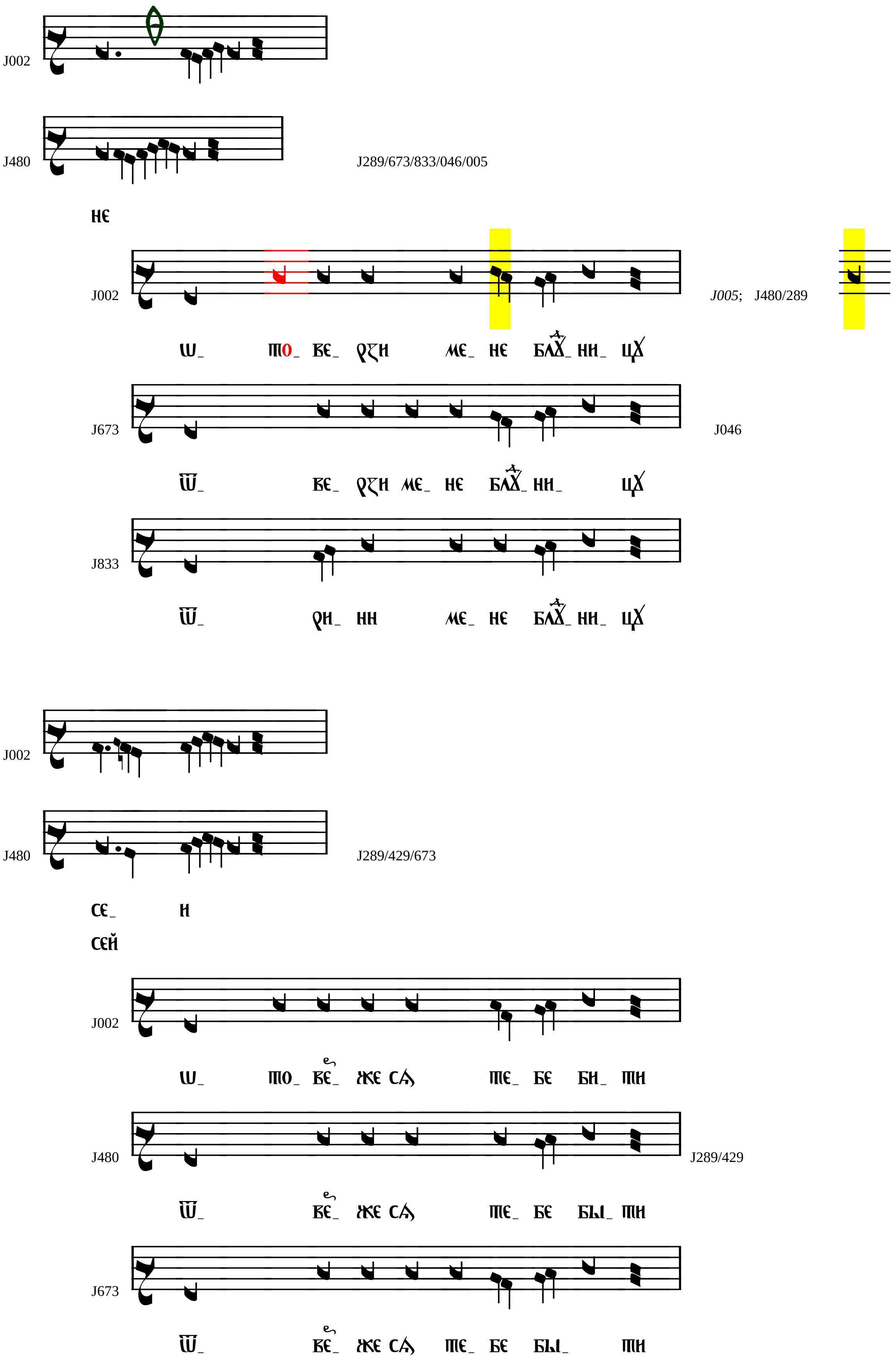
J002
J480
J289/673/833/046/005
не
J002
J005; J480/289
J673
J046
J833
J002
J480
J289/429/673
се_ и
сей
J002
J480
J289/429
J673

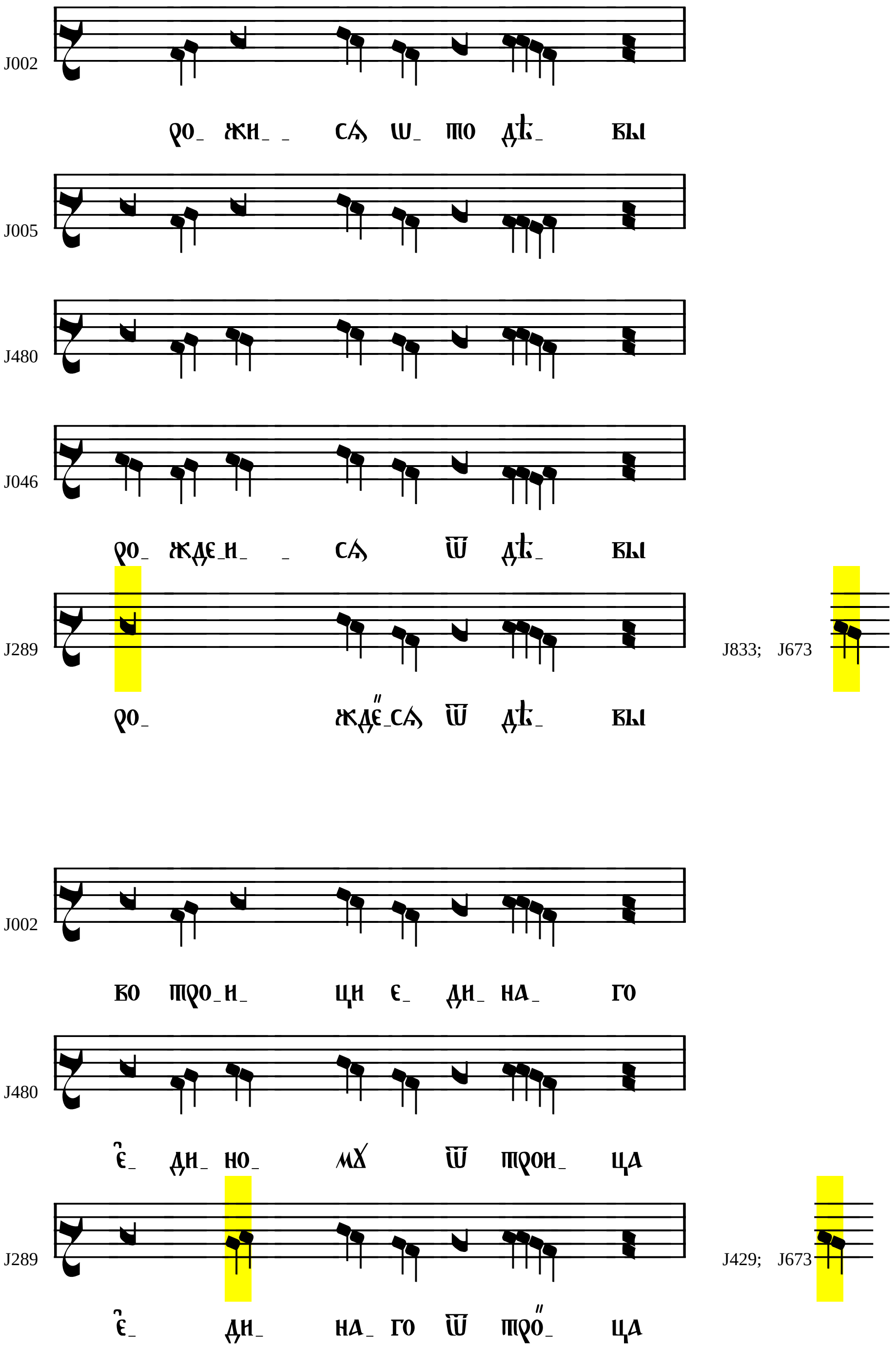
J002
ро_ жи_ _ ся ѡ_ то дв҃_ вы
J005
J480
J046
ро_ жде_и_ _ ся ѿ дв҃_ вы
J289
J833; J673
ро_ жде҃_ся ѿ дв҃_ вы
J002
во тро_и_ ци е_ ди_ на_ го
J480
є҆_ ди_ но_ мꙋ ѿ трои_ ца
J289
J429; J673
є҆_ ди_ на_ го ѿ тро҃_ ца

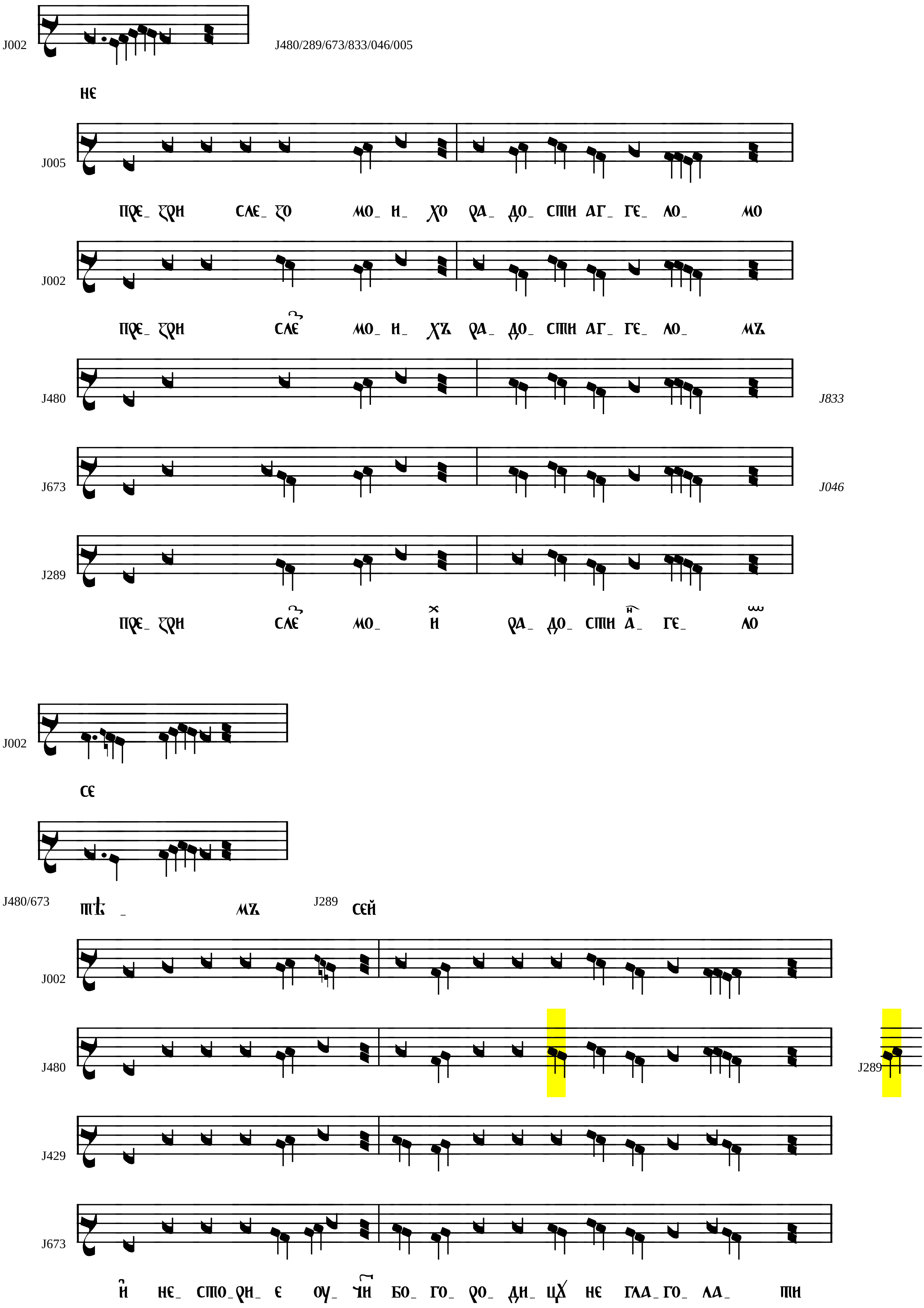
J002
J480/289/673/833/046/005
не
J005
пре- твори слє- зо мо- и- хо ра- до- сти аг- ге- ло- мо
J002
пре- твори слє мо- и- хъ ра- до- сти аг- ге- ло- мъ
J480
J833
J673
J046
J289
пре- твори слє мо- и ра- до- сти а- ге- ло
J002
се
J480/673
J289
сей
мъ
J002
J480
J289
J429
J673
и не- сто- ри- є оу- чи бо- го- ро- ди- цѫ не гла- го- ла- ти

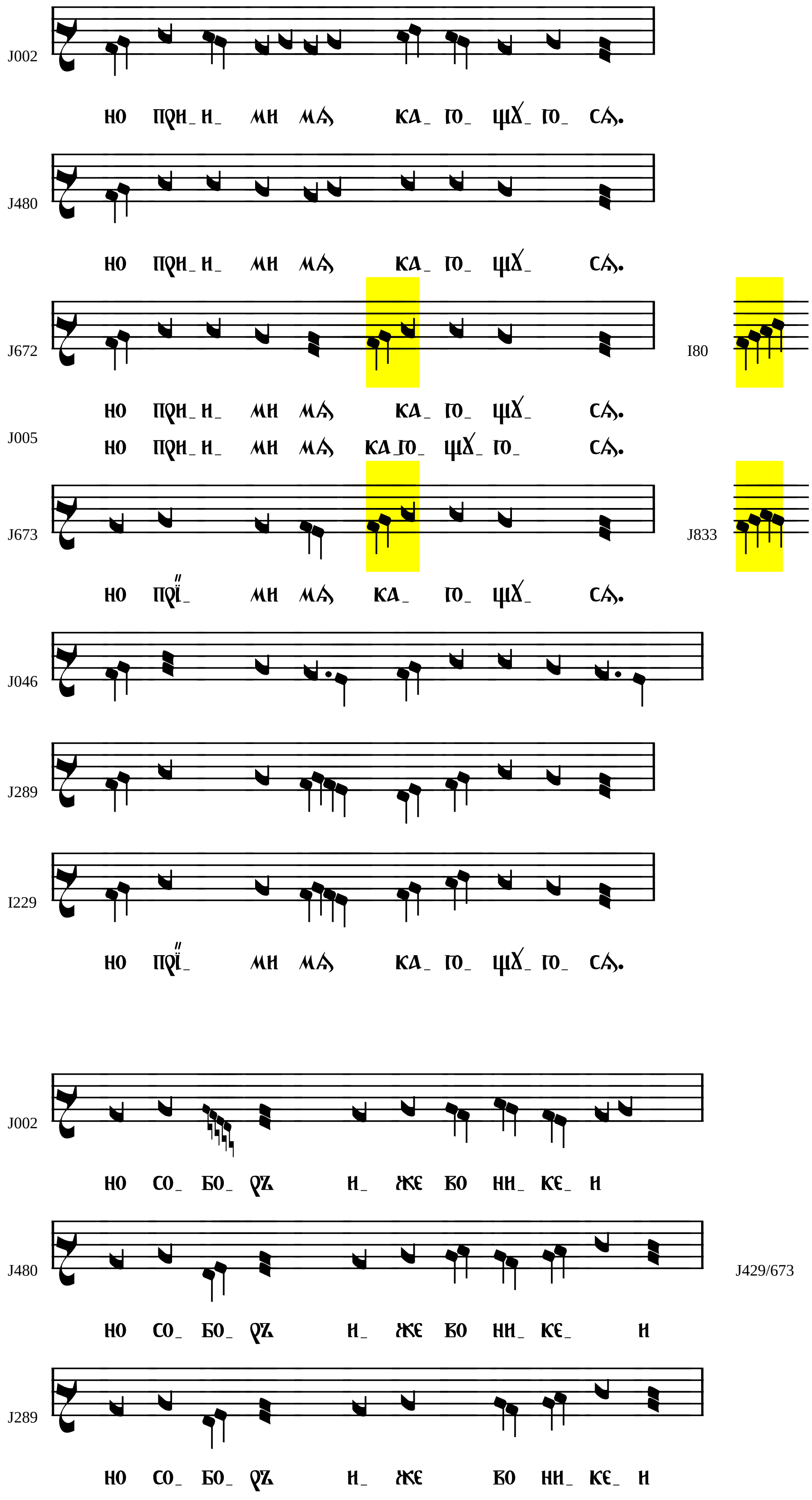
J002
но при- и- ми мѧ ка- ю- щꙋ- го- сѧ.
J480
но при- и- ми мѧ ка- ю- щꙋ- сѧ.
J672
I80
но при- и- ми мѧ ка- ю- щꙋ- сѧ.
J005
но при- и- ми мѧ ка ю- щꙋ- го- сѧ.
J673
J833
но прı- ми мѧ ка- ю- щꙋ- сѧ.
J046
J289
I229
но прı- ми мѧ ка- ю- щꙋ- го- сѧ.
J002
но со- бо- рꙋ и- же во ин- ке- и
J480
J429/673
но со- бо- рꙋ и- же во ин- ке- и
J289
но со- бо- рꙋ и- же во ин- ке- и

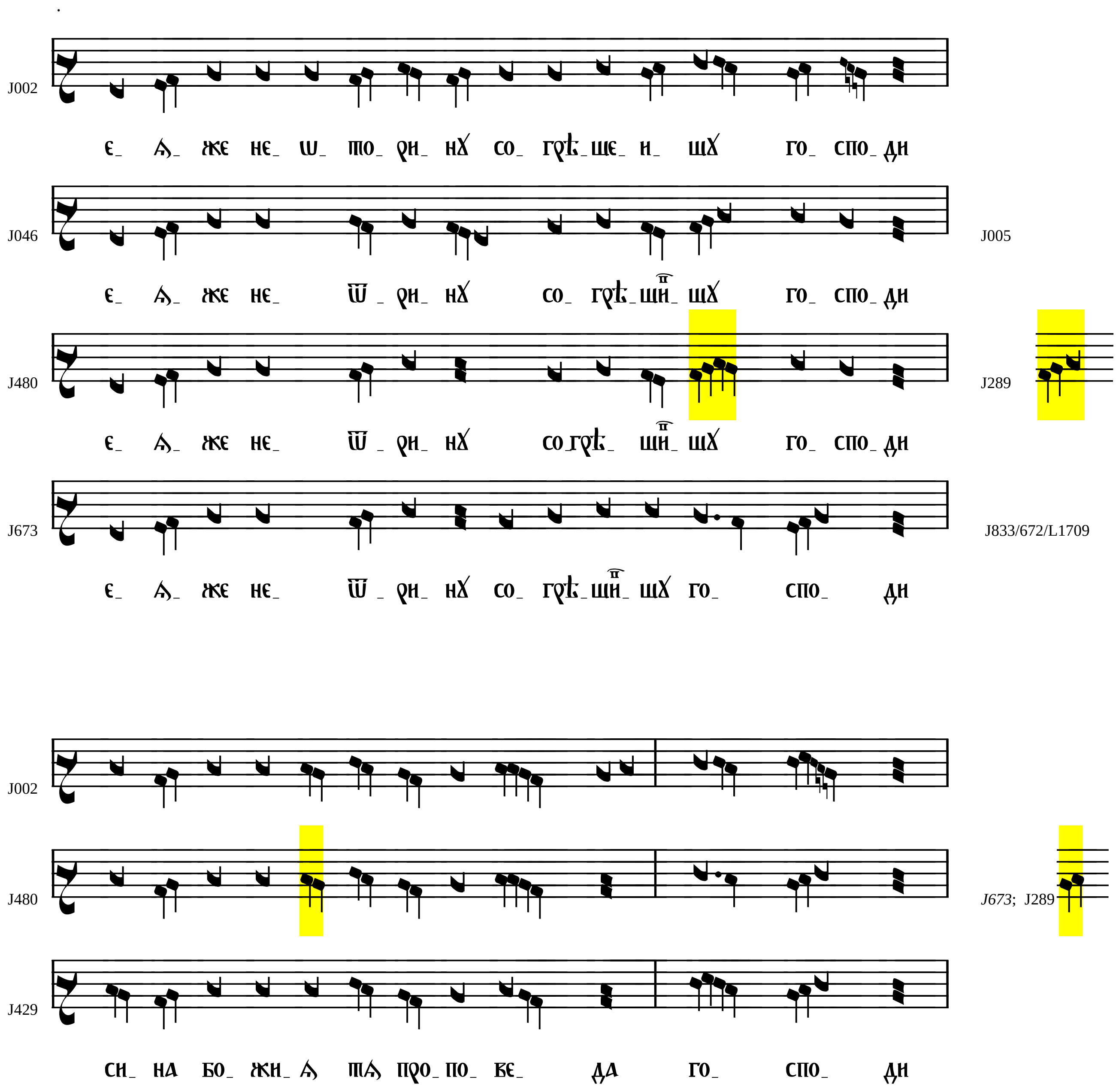
J002
J046
J005
J480
J289
J673
J833/672/L1709
J002
J480
J673; J289
J429

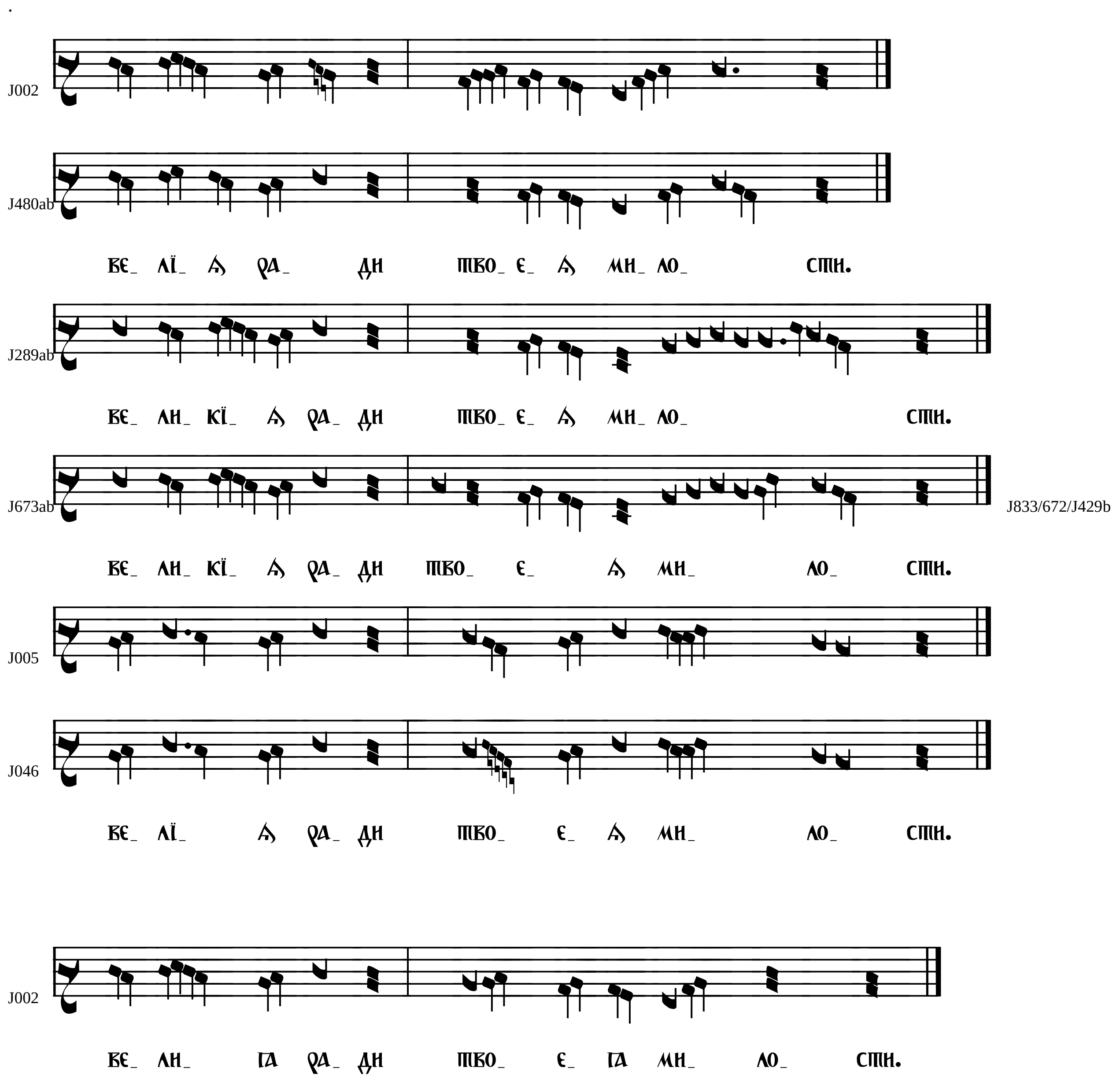
J002
J480ab
ВЕ_ ЛІ_ Ѧ РА_ ДИ ТВО_ Е_ Ѧ МИ_ ЛО_ СТИ.
J289ab
ВЕ_ ЛИ_ КІ_ Ѧ РА_ ДИ ТВО_ Е_ Ѧ МИ_ ЛО_ СТИ.
J673ab
J833/672/J429b
ВЕ_ ЛИ_ КІ_ Ѧ РА_ ДИ ТВО_ Е_ Ѧ МИ_ ЛО_ СТИ.
J005
J046
ВЕ_ ЛІ_ Ѧ РА_ ДИ ТВО_ Е_ Ѧ МИ_ ЛО_ СТИ.
J002
ВЕ_ ЛИ_ ГА РА_ ДИ ТВО_ Е_ ГА МИ_ ЛО_ СТИ.

Ďalšie texty // Further texts

Nedeľa otcov PX6, Τών αγίων Πατέρων, Ήχος pl. 2 Η απεγνωσμένη

Εκ γαστρός ετέχθης πρό εωσφόρου, εκ Πατρός αμήτωρ πρό τών αιώνων, κάν Άρειος κτίσμα σε, καί ου Θεόν δοξάζη, τόλμη συνάπτων σε τόν κτίστην, τοίς κτίσμασιν αφρόνως, ύλην πυρός τού αιωνίου, εαυτώ θησαυρίζων, αλλ' η σύνοδος η εν Νικαία, Υιόν Θεού σε ανεκήρυξε, Κύριε, Πατρί καί Πνεύματι σύνθρονον. *Sn1260 319v (318)*

Τίς σου τόν χιτώνα Σώτερ διείλεν, Άρειος, σύ έφης, ο τής Τριάδος, τεμών τήν ομότιμον αρχήν εις διαιρέσεις, ούτος ηθέτησέ σε είναι, τόν ένα τής Τριάδος, ούτος Νεστόριον διδάσκει, Θεοτόκον μή λέγειν, αλλ' η Σύνοδος η εν Νικαία, Υιόν Θεού σε ανεκήρυξε, Κύριε, Πατρί καί Πνεύματι σύνθρονον.

Κρημνώ περιπίπτει τής αμαρτίας, Άρειος, ο μύσας τό φώς μή βλέπειν, καί θείω σπαράττεται, αγκίστρω τοίς εγκάτοις, πάσαν εκδούναι τήν ουσίαν, καί τήν ψυχήν βιαίως, άλλος Ιούδας χρηματίσας, τή γνώμη καί τώ τρόπω, αλλ' η Σύνοδος η εν Νικαία, Υιόν Θεού σε ανεκήρυξε, Κύριε, Πατρί καί Πνεύματι σύνθρονον.

Άρειος π άφρων, τής παναγίας, τέτμηκε Τριάδος τήν μοναρχίαν, εις τρείς ανομίους τε καί εκφύλους ουσίας, όθεν Πατέρες θεοφόροι, συνελθόντες προθύμως, ζήλω πυρούμενοι, καθάπερ, ο θεσβίτης Ηλίας, τώ τού Πνεύματος τέμνουσι ξίφει, τόν τής αισχύνης δογματίσαντα βλάσφημον, καθώς τό Πνεύμα απεφήνατο.

Ины̑ стїхи̑ры с҃ты́мъ ѻ҆ц҃є́мъ. Гла́съ ѕ҃.

Подо́бенъ: Ѿча́аннаѧ:

И҆з̾ чре́ва роди́лсѧ є҆сѝ пре́жде денни́цы, ѿ ѻ҆ц҃а̀ безм҃тренъ пре́жде вѣ́къ: а҆́ще и҆ а҆рі́й тва́рь тѧ̀, а҆ не бг҃а сла́витъ, де́рзостїю смѣша́ѧ тѧ̀ зижди́телѧ тва́рємъ безꙋ́мнѡ, вещество̀ ѻ҆гнѧ̀ вѣ́чнагѡ себѣ̀ сокро́вищствꙋ́ѧй. но собо́ръ и҆́же въ нїке́н, сн҃а бж҃їѧ тѧ̀ пропов҃ѣ́да гд҃и, ѻ҆ц҃ꙋ̀ и҆ дх҃ꙋ сопрестольна.
Кто̀ твою̀ сп҃се ри́зꙋ раздра̀; а҆рі́й, ты̀ ре́клъ є҆си, и҆́же тр҃цы пресѣчѐ є҆диночє́стное нача́ло въ раздѣлє́нїѧ: се́й ѿве́рже тѧ̀ бы́ти є҆ди́наго ѡ҆ тр҃цы, се́й и҆ несто́рїа ѹ҆чи́тъ бц҃ꙋ не глаго́лати. но собо́ръ, и҆́же въ нїке́н, сн҃а бж҃їѧ тѧ̀ пропов҃ѣ́да гд҃и, ѻ҆ц҃ꙋ̀ и҆ дх҃ꙋ сопресто́льна.
Въ бре́гъ па́даетъ грѣха̀ а҆рі́й, возненави́дѣвый свѣ́та ви́дѣти, и҆ бж҃е́ственною растерза́етсѧ ѹ҆́дницею внꙋ́треннихъ, всѐ и҆зда́ти сꙋ́щество̀ и҆ дꙋ́шꙋ нꙋ́жнѡ, дрꙋгі́й і҆ꙋ́да бы́въ нра́вомъ и҆ ѻ҆́бразомъ. но собо́ръ, и҆́же въ нїке́н, сн҃а бж҃їѧ тѧ̀ пропов҃ѣ́да гд҃и, ѻ҆ц҃ꙋ̀ и҆ дх҃ꙋ сопресто́льна.
А҆рі́й безꙋ́мный прест҃ы́ѧ тр҃цы пресѣчѐ є҆динонача́лїє, въ трѝ беззакѡ́ннаѧ же и҆ несра́слєннаѧ сꙋ́щєства̀. тѣ́мже ѻ҆ц҃ы̀ бг҃оно́снїи сошє́дшесѧ ѹ҆се́рднѡ, ре́вностїю разжиза́еми, ꙗ҆́коже ѳесві́тѧнинъ и҆лїа̀, дх҃о́вными посѣка́ютъ мече́мъ стꙋдꙋ̀ наꙋчи́вшаго хꙋ́льника, ꙗ҆́коже дх҃ъ вѣща́ше.

NEDEΓA OTCOV 11-17.10
Εις τό, Κύριε εκέκραξα
Ήχος πλ. β’
Η απεγνωσμένη

Τάς επτά Συνόδους τάς τών Πατέρων, κατά διαφόρους καιρούς συστάσας, εις ένα συνήθροισεν ενί Κανόνι τώ δε, μάλα καλώς ο Πατριάχης, ό Γερμανός ο νέος, γράφων ομού τε καί κρατύνων, τά δόγματα τά τούτων, ός καί πρέσβεας αυτούς αγρύπνους, τής σωτηρίας τώ Κυρίω προβάλλεται, καί τού ποιμνίου συμ πο ίμενας.

Τό τού Νόμου γράμμα παισίν Εβραίων, έθετο τιμίαν τήν εβδομάδα, σκιά προσανέχουσι, καί λατρεύουσι ταύτη, ήν περ Πατέρες συνδραμόντες, εν επτάδι Συνόδων, νεύσει Θεού τού εν εξάδι, ημερών σύμπαν τόδε, απαρτίσαντος, καί τήν εβδόμην ευλογήσαντος, σεμνοτέραν ειργάσασθε, όρον εκθέμενοι Πίστεως.

Τήν Τριάδα πάσιν εκ τών πραγμάτων, τής κοσμογενείας ούσαν αιτίαν, τρανώς παρεδώκατε, τρισόλβιοι Πατέρες, τρείς γάρ καί τέσσαρας Συνόδους, μυστικωτάτω λόγω θέντες, καί έκδικοι φανέντες, τού ορθοδόξου λόγου, τά στοιχεία τά τέσσαρα όντα, καί τήν Τριάδα ενεφήνατε, κτίσασαν ταύτα, καί κόσμον ποιήσασαν.

Ήρκεσε καί μία ζωήν εμπνεύσαι, τώ κειμένω γόνω τής υπουργούσης, Προφήτου ανάκαμψις Ελισσαιέ τού πάνυ, όμως ανέκαμψεν επτάκις, καί συνέκυψε τούτω, οία προόπτης προαγγέλλων, τάς υμών συνελεύσεις, αίς τήν νέκρωσιν τού Θεού Λόγου εψυχώσατε, θανατώσαντες Άρειον, καί τούς εκείνω συγ κάμ νοντας.

Τόν διηρημένον Χριστού χιτώνα, καί διερρηγμένον κυσίν υλάκταις, σοφώς συνερράψατε σεβάσμιοι Πατέρες, βλέπειν τήν γύμνωσιν τήν τούτου, μηδαμώς ενεγκόντες, ώσπερ ο Σήμ τε καί Ιάφεθ, τήν πατρώαν τό πάλαι, καταισχύναντες τόν πατραλοίαν, καί τούς εκείνω συμφρονήσαντας Άρειον, τόν της μανίας επώνυμον.

Τούς Μακεδονίους καί Νεστορίους, καί τούς Ευτυχέας καί Διοσκόρους, Απολλιναρίους τε Σαβελλιοσεβήρους, λύκους βαρείς αποδειχθέντας, εν δέρμασι προβάτων, πόρρω τής ποίμνης τού Σωτήρος, ως αληθείς Ποιμένες, απηλάσατε γυμνούς κωδίων, τούς τρισαθλίους καταστήσαντας άριστα, όθεν υμάς μακαρίζομεν.

На вели́цѣй вече́рни, на Г҃ди, воззва́хъ, стїхи̑ры ѻ҆ктѡ́иха, воскр҃ны г҃, и҆ ˘восто́чен˘ (˘А҆натолі́ев˘) є҆ди́нъ: И҆ ст҃ы́хъ ѻ҆тцє́въ на ѕ҃, гла́съ ѕ҃.

Подо́бенъ: Ѿча́ѧннаѧ:

Честны̑ѧ собо́ры ѻ҆тцє́въ, въ ра̑знаѧ времена̀ соста́вивъ, во є҆ди́но собра̀ є҆ди́нѣмъ и҆ тѣ́мже пра́виломъ, ѕѣлѡ̀ до́брѣ патрїа́рхъ ге́рманъ но́вый, пиша̀ ку́пнѡ же и҆ держа̀ догма́ты си́хъ, и҆̀же и҆ моли́твенники бо́дрственныѧ сїѧ̑ спасе́нїѧ, гдⷭ҇у предлага́етъ, и҆ па́ствѣ съ па̑стыри.

Два́жды.

Зако́на писа́нїе дѣ́тємъ є҆врє́йскимъ положѝ честну́ю седми́цу, сѣ́ни придержа́щымсѧ, и҆ слу́жащымъ се́й, ю҆̀же ѻ҆тцы̀ стéкшесѧ на седмо́мъ собо́рѣ ма́нїемъ б҃жїимъ, въ шестѝ дне́хъ всѐ сїѐ соверши́вшагѡ, и҆ седмы́й благослови́вшагѡ, честнѣ́йшую содѣ́лаша, предѣ́лъ вѣ́ры и҆зложи́вше.

Тр҃цу всѣ̑мъ ѿ веще́й, мїробы́тїѧ су́щую вину̀, ꙗ҆́снѡ преда́сте треблаже́ннїи ѻ҆тцы̀: трѝ бо и҆ четы́ре (с.`ѻ҃) собо́ры, та́инственнѣ́йшимъ сло́вомъ положи́вше, и҆ ѿмсти́телїе ꙗ҆́вльшесѧ правосла́внагѡ сло́ва, стїхі́а четы́ре су́щѧ, и҆ тр҃цу и҆зъꙗ́сни́сте, созда́вшую сїѧ̑, и҆ мі́ръ сотво́ршую.

Довлѧ́ше и҆ є҆ди́ною жи́знь вдохнꙋ́ти, лежа́щемꙋ сы́нꙋ слꙋжа́щїѧ, прⷪ҇ро́ка є҆лїссе́а слꙋче́нїе ѕѣ́льно: ѻ҆ба́че ѡ҆брати́сѧ седми́жды, и҆ приклонѧ́шесѧ семꙋ̀, провозвѣща́ѧ ꙗ҆́кѡ прови́децъ ва́шѧ собо́ры, и҆̀мже ᲂу҆мерщвле́нїе бж҃твеннагѡ сло́ва водꙋши́сте, а҆́рїа ᲂу҆мертви́вше, и҆ є҆гѡ̀ све́рстники.

Кто̀ твою̀, сп҃се, ри́зꙋ раздра̀; а҆рі́й, ты̀ ре́клъ є҆сѝ: и҆́же трⷪ҇цы пресѣчѐ є҆диноче́стное нача́ло въ раздѣле́нїѧ: се́й ѿве́рже тѧ̀ бы́ти є҆ди́наго ѿ трⷪ҇цы: се́й и҆ несто́рїа ᲂу҆чи́тъ бцⷣꙋ не глаго́лати. но собо́ръ и҆́же въ нїке́н, сн҃а бж҃їѧ тѧ̀ пропове́да, гдⷭ҇н, ѻ҆ц҃ꙋ̀ и҆ дх҃ꙋ сопресто́льна.